

आकाशीय तड़ति के कारण लोगों की मौत

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ के राजनांदगाँव में भारी वर्षा के दौरान हुई वनिाशकारी आकाशीय तड़ति से बच्चों सहित कई लोगों की जान चली गई।

मुख्य बदि

- **भारत में आकाशीय तड़ति:**
 - आकाशीय तड़ति एक शक्तशाली और दृश्यमान वदियुत घटना है जो तब होती है जब बादलों के भीतर तथा बादलों और ज़मीन के बीच वदियुत आवेश का नरिमाण होता है।
 - इस वदियुत ऊर्जा के नरिवहन के परणामस्वरूप प्रकाश की एक चमकदार चमक उत्पन्न होती है और हवा का तेज़ी से वसितार होता है, जिससे बजिली के साथ होने वाली वशिषिट गड़गड़ाहट उत्पन्न होती है।
 - क्लाउड-टू-ग्राउंड (CG) बजिली खतरनाक होती है, क्योंकि इसमें उच्च वदियुत वोल्टेज और करंट के कारण लोगों को बजिली का झटका लग सकता है।
 - भारत वशि्व के उन पाँच देशों में शामिल है जहाँ आकाशीय तड़ति की पूर्व चेतावनी प्रणाली मौजूद है।
 - यह प्रणाली आकाशीय तड़ति से पाँच दिन पहले से लेकर तीन घंटे पहले तक का पूर्वानुमान उपलब्ध कराती है।
- **आकाशीय तड़ति से होने वाली मौतें: आँकड़े और रुझान**
 - **राष्ट्रीय अपराध रकिॉर्ड ब्यूरो (NCRB) डेटा:** वर्ष 2021 में, आकाशीय तड़ति से 2,880 मौतें हुईं, जो "प्राकृतिक बलों" के कारण हुईं सभी आकस्मिक मौतों का 40% है।
 - यह प्रवृत्ति अन्य प्राकृतिक घटनाओं की तुलना में आकाशीय तड़ति से होने वाली मौतों में वृद्धि दर्शाती है।
- **भारत में भौगोलिक वतिरण:**
 - पूर्वोत्तर राज्यों तथा पश्चिमि बंगाल, सकिक्मि, झारखंड, ओडिशा और बिहार में आकाशीय तड़ति की आवृत्ति सबसे अधिक है।
 - हालाँकि, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे मध्य भारतीय राज्यों में आकाशीय तड़ति से होने वाली मौतों की संख्या अधिक है।
 - बिहार आकाशीय तड़ति के मामले में सबसे अधिक संवेदनशील राज्यों में से एक है, जहाँ प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में मौतें होती हैं।
 - वर्ष 2023 में 6 जुलाई तक बिहार में आकाशीय तड़ति से **107 मौतें दर्ज की गईं।**
- **आकाशीय तड़ति के संबंध में केंद्र सरकार का दृष्टिकोण:**
- केंद्र सरकार आकाशीय तड़ति को **प्राकृतिक आपदा घोषित करने का वरिोध करती है।** सरकार का मानना है कि शकिक्षा और जागरूकता से आकाशीय तड़ति से होने वाली मौतों को प्रभावी ढंग से रोकने में सहायता मलि सकती है।

आकाशीय तड़ति की बढ़ती प्रवृत्तिके पीछे संभावित कारक

- **जलवायु परिवर्तन:** **ग्लोबल वारमिग** और **जलवायु परिवर्तन** वायुमंडलीय स्थितियों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे तूफान और आकाशीय तड़ति की गतिविधियों में वृद्धि हो सकती है।
 - जैसे-जैसे ग्रह का तापमान बढ़ता है, नमी के वतिरण, अस्थिरता और संवहनीय प्रक्रियाओं में परिवर्तन हो सकता है, जिससे आकाशीय तड़ति की घटनाएँ अधिक बार हो सकती हैं।
 - कालबैसाखी एक स्थानीय तूफान है, जो बजिली चमकने के साथ आता है, जो आमतौर पर भारतीय उपमहाद्वीप में प्री-मानसून सीजन के दौरान देखा जाता है।
- **शहरीकरण:** शहरी क्षेत्रों के वसितार से **"शहरी ताप द्वीप प्रभाव" उत्पन्न हो सकता है।**
 - बढ़ती मानवीय गतिविधियों, ऊर्जा खपत और अभेद्य सतहों के कारण शहर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक गर्म होते हैं।
 - इन स्थानीयकृत ऊष्मा द्वीपों के कारण अधिक तूफानों का नरिमाण हो सकता है, तथा परणामस्वरूप, आकाशीय तड़ति की घटनाओं में वृद्धि हो सकती है।
- **भूमि उपयोग में परिवर्तन:** **वनों की कटाई**, कृषि पद्धतियों में परिवर्तन और प्राकृतिक परदृश्य में परिवर्तन स्थानीय वायुमंडलीय स्थितियों को बाधित कर सकते हैं।
 - ऐसे परिवर्तन तूफानों के विकास में योगदान दे सकते हैं, तथा परणामस्वरूप अधिक आकाशीय तड़ति की संभावना हो सकती है।
- **प्रदूषण और एरोसोल:** एरोसोल और कण पदार्थ सहित वायु प्रदूषण, तूफानों के दौरान बादल नरिमाण और वदियुत गतिविधि को प्रभावित कर सकता

है।

- [मानवजनति उत्सर्जन](#) से तूफानों की आवृत्त और तीव्रता प्रभावति हो सकती है, जसिसे आकाशीय तड़ति की घटनाएँ बढ़ सकती हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/lightning-killed-many>

